

२२/०५/२०१५

हनुमान

पञ्जाबली न्याय आपके द्वार-२०१४ में अत्यंत सेवा
 केन्द्र नारायण पेश हुई। जाहीगण ने उपस्थित होकर
 निवेदन किया कि हमरी बहन का त्याग नहीं
 हुआ है इसलिये बहू को आगे नहीं बढ़ाने देह
 निवेदन किया है अतः लोक अदालत की भावना
 से जाहीगणों का बहू बिदा कर स्वयं/केयवका
 पञ्जाबली केवल शुमार होकर ही नमद सेठर
 हो। आदेश मजरे आम में सुनाया गया।

रूप खण्ड अति धारी
 सांभर लोक